

## 67 परीक्षा केन्द्रों पर नौ लाख से ज्यादा अभ्यर्थी आज देंगे परीक्षा

दो पालियों में होगी परीक्षा, सुरक्षा के लिए 10 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात

### सिपाही भर्ती

लोकमित्र ब्लॉग

लखनऊ। प्रदेश के 67 जिलों में 1174 परीक्षा केन्द्रों पर करीब नौ लाख 60 हजार अभ्यर्थी सुरक्षाकारों को सिपाही भर्ती प्रवर्षा देंगे। इसी साल परीक्षार्थी में हुई यह परीक्षा पर्वती तीक होने की बजाए से रह कर दी गई थी। इसके बाद ही अब पांच चरणों में यह परीक्षा 23 अगस्त से सुरु हो रही है। यही बजाए है विस बार सुरक्षा के बहुत कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रदेश में 10 दिन तक से अधिक पुलिस कर्मी सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए हैं। परीक्षा केन्द्रों पर भी अधिकरित सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है।

डीजीपी प्रशंसन कुमार ने परीक्षा से जुड़े कई बिंदुओं पर पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष डीजी राजीव कृष्ण से परीक्षा को लेकर कई बिंदुओं पर चर्चा की। सभी जिलों के कार्रवाई को सुरक्षा से जुड़े कई निर्देश दिए गए। अब तक की जांच में करीब 20 हजार अभ्यर्थियों के आधार कार्ड संदर्भ लगे हैं।

### पूरे प्रदेश में परीक्षा पर एक नजर

- 67 जिलों में परीक्षा के लिए 1174 केन्द्र
- 27 प्रदेशों और आठ केन्द्र शासित प्रदेशों के 48 लाख 17 हजार 441 अभ्यर्थी शामिल होंगे
- पंच दिन (23, 24, 25, 30, 31) में दो पालियों में होगी परीक्षा
- 48 लाख 17 हजार 441 अभ्यर्थी शामिल होंगे परीक्षा में हर जिले में दो नोडल अधिकारी,

### टेलप्लाइन शुरू

- अभ्यर्थियों के लिए पुलिस भर्ती बोर्ड ने टेलप्लाइन नामक जारी किए हैं। अभ्यर्थी को कोई दिक्षित के अंदर ले जा सकेंगे। साथ ही अगर सामान जमा करने के लिये लॉकर की रसीद दी गई है तो उसे सकता है।

### ये सामान नहीं ले जा सकेंगे केन्द्र पर

- कोई भी पालिया सामानी, कागज के टकड़े, पैसल बास्स, लास्टिक पाउडर, कैल्कुलेटर, ट्रोटर/डेविट कार्ड, लेले, कांपों, पेन ड्राफ्ट, खबर, लॉग ट्रेबल, फ़ैन, डिजिटल पेन, मोबाइल फ़ोन, चायी, कैमरा, बड़ी जैविक, ब्लूटूथ डिवाइस, इसरोन, माइक्रो फोन, पर्सन, काला चम्पा, हैंडबैग, टोपी, खुला-पैक किया खाने का सामान, मिग्रेट, लाइट, माचिस, गुरुद्वा।

### डॉक्टरों की 36 घंटे की शिपिट पर सुप्रीम कोर्ट घिति

### कोलकाता रेप एंड मर्डर कांड

एजेंसी



नई दिक्षित। चीफ जस्टिस डीवार्ड चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने गुरुवार को कोलकाता रेप एंड मर्डर कांड की सुनवाई के दौरान कुछ डॉक्टरों के 36 घंटे की डूब्री पर गहरी चिंता जारी है और इसे अमानवीय करार दिया है। पीठ ने डॉक्टरों के काम के घंटों को सुव्यवस्थित करने के लिए 10 सदस्यीय नेशनल टाक्स कोर्स की निर्देश दिए हैं। सीजेजे डीवार्ड चंद्रचूड़ ने कहा, यह देश वर्षे में रेपेंटेंट डॉक्टरों को काम अनानीय काम के घंटों को लेकर बेहद चिंतित है। कुछ डॉक्टर 36 घंटे की शिपिट में काम करते हैं।

कुछ दिनों पहले कोलकाता मामले में बनाए गए नेशनल टाक्स कोर्स को निर्देश देते हुए एक जीवी जस्टिस ने कहा कि 36 घंटे 48 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है। इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के अनन्य डॉक्टरों को सुव्यवस्थित करने का निर्देश दिया था।

विचार करे। इसके अलावा कोर्ट ने मामले में आगे की सुनवाई के लिए 5 सिंतंबर की तारीख निर्धारित की और सीधी आई, पश्चिम बंगाल सरकार की विधियां प्रियोंटों के फिर से सील करने का अदेश दिया। कोर्ट ने मामले में जुड़े पक्षकारों (केंद्र और बंगाल सरकार) को इस मामले के अनन्य डॉक्टरों को सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ संवाद करों। चीफ जस्टिस

36 घंटे की शिपिट विलक्षुल अमानवीय है।

इसलिए टाक्स कोर्स सभी डॉक्टरों के सुव्यवस्थित करने पर विचार करों। डीजीजे के साथ स







## संक्षिप्त खबरें

भूवनशुरी में आकाशीय विजली गिरने से दो महिलाएं झुलसी  
लोकमित्र ब्लूग  
पश्चिम शरीरा (कौशाम्बी)।  
महिलाओं थाना क्षेत्र के भूवनशुरी गांव में वृहस्पतिवार दोपहर आकाशीय विजली के चपेट में आने से दो महिलाएं गंभीर रूप से झुलसी हुई हैं। पास में काम कर रहे लोगों ने एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। जहां झुलसी महिलाओं की हालत गंभीर बनी हुई है।



प्रातः कानकारा के मुताबिक महावा घाट थाना क्षेत्र के भूवनशुरी गांव निवासी सुरुजी देवी पत्ती रम्य चंद उम 35 वर्ष अपनी पड़ोसी गुड़िया देवी पत्ती कमलेश कुमार (39) वर्ष के साथ गुरुवार की दोपहर खेत में काम कर रही थी अचानक आस्पताल से तेज बारिश के बिजली कड़कें लगी तभी दोनों भाग पास में जूजूद महुआ के पेड़ के नीचे जाकर खड़ी हो गई। इसी बीच आकाशीय विजली के

# सम्पादकीय

# कानून का खौफ होता तो नहीं होता कोलकाता कांड

# सम्पादकीय

# दूध की सुध

यह मानवीय मूल्यों के पराभव की पराकाष्ठा है कि दूध की जगह रासायनिक पदार्थों से बना जहरीला पदार्थ धड़ले से बिक रहा है। हकीकत में दूध दुनिया में सबसे ज्यादा मिलावटी खाद्य पदार्थ है, लेकिन भारत में यह संकट बड़ा है। वैसे भारत पिछले दो दशक से दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। लेकिन लगातार पशुधन संख्या में गिरावट के बावजूद दूध से जुड़े आंकड़े संदेह भी पैदा करते हैं। दूध में पानी मिलाने की कथाएं तो सदियों पुरानी हैं। लेकिन हाल के दशकों में उन खबरों ने डराया है, जिनमें कहा गया कि आपराधिक मानसिकता के मुनाफाहोर दूध में डिटर्जेंट, यूरिया, ग्लुकोज और फर्मेलिन आदि मिला रहे हैं। विडंबना देखिये कि सदियों से कहा जाता रहा है कि दूध बलवर्धक व स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ है। आज के दौर में खाने-पीने की चीजों में तमाम रासायनिक पदार्थों की मिलावट के बाद एक दूध से उमीद होती है कि बच्चे दूध पीकर तंदुरुस्त बनें। लेकिन जब वे रासायनिक पदार्थों से बना दूध पीएंगे तो उनका क्या स्वास्थ्य सुधरेगा? कल्पना कीजिए कि किसी मरीज को डॉक्टर स्वस्थ होने के लिये दूध पीने को कहे और वह नकली दूध पीने से और भीमार पड़ जाए। वहाँ दूसरी ओर रेलवे स्टेशनों व बस स्टैंडों पर भी लगातार नकली दूध की चाय बिकने की शिकायतें आती रही हैं। कुछ वर्ष पहले उ.प्र. के एक रेलवे स्टेशन में सफर रंग से बने दूध की चाय बिकने की शिकायत सामने आई थी। लेकिन इसके बावजूद इस मिलावट पर अंकुश लगाने के लिये हितधारकों की तरफ से कोई गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते। यह दुखद ही है कि हर घर में प्रयुक्त होने वाले दूध की गुणवत्ता में भारी प्रियावट के बाद भी शासन-प्रशासन की दृष्टि में यह गंभीर मुद्दा नहीं है। न ही राजनीतिक दल ही इस गंभीर मुद्दे को संबोधित करते हैं। जिसकी वजह से मिलावट करने वालों के हौसले बुलंद हैं।

भारत में लगभग हर दिन क्रूर  
बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज होती  
है। हाल के वर्षों में भयावह यौन  
हमलों की रिपोर्ट में वृद्धि हुई है।  
समाजशास्त्री कहते हैं कि यह  
नया भारत है जहां कानून का  
शासन पूरी तरह से टूट गया है,  
जिसका सीधा असर महिलाओं  
पर पड़ रहा है, क्योंकि यह  
प्रित्यक्षता के बेधङ्क अतिक्रमणों  
का दौर भी है। पीड़ितों के इन्द-  
गिर्द प्रचलित कलंक और  
पुलिस जांच में विश्वास की  
कमी के कारण बड़ी संख्या में  
बलात्कार की रिपोर्ट नहीं की  
जाती है। भारत की पंगु पड़ी  
आपराधिक न्याय प्रणाली में  
मानले सालों तक अटके रहने  
के कारण दोष सिद्धि दुर्लभ बनी  
हुई है। राष्ट्रीय अपराध एकॉर्ड  
ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार,  
भारत में औसतन प्रतिदिन  
लगभग 90 बलात्कार की  
घटनाएं होती हैं।

प्रियंका सौरभ

साल 2012 में दिल्ली के निर्भयाकांड के बौन हिंसा पर सख्त कानून बनाए गए और बलात्कार पर मौत की सजा का प्रवधान किया गया। इसके बावजूद यौन अपराध खत्म नहीं हुए। दुष्कर्म की प्रकृति अधिक आक्रामक, अधिक क्रूर हो गई है और एक हृद तक सतर्कतावाद और गैंगस्टरवाद का एक रूप बन गई है। भारत में लगभग हर दिन क्रूर बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज होती है। हाल के वर्षों में भयावह यौन हमलों की रिपोर्ट में वृद्धि हुई है। समाजशासी कहते हैं कि यह नया भारत है जहां कानून का शासन पूरी तरह से टूट गया है, जिसका सीधा असर महिलाओं पर पड़ रहा है, क्योंकि यह पिरूसत्ता के बेधेंडक अतिक्रमणों का दौर भी है। पीड़ितों के इदं-गिर्द प्रचलित कलंक और पुलिस जांच में विश्वास की कमी के कारण बड़ी संख्या में बलात्कार की रिपोर्ट नहीं की जाती है। भारत की पंग पड़ी आपराधिक न्याय प्रणाली में मामले सालों तक अटके रहने के कारण दोष सिद्धि दुर्लभ बनी हुई है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, भारत में औसतन प्रतिदिन लगभग 90 बलात्कार की घटनाएं होती हैं। वर्ष 2022 में पुलिस ने एक युवती के साथ कथित क्रूर सामूहिक बलात्कार और यातना के बाद 11 लोगों को गिरफ्तार किया। इस युवती को दिल्ली की सड़कों पर घुमाया गया था। 2022 में ही भारत में एक पुलिस अधिकारी को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक 13 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप है, जो अपने साथ हुए सामूहिक बलात्कार की रिपोर्ट करने के लिए उनके पुलिस स्टेशन गई थी। मार्च में, अपने पति के साथ मोटरसाइकिल यात्रा पर गई एक स्पेनिश पर्यटक के सामूहिक बलात्कार के बाद कई भारतीय पुरुषों को गिरफ्तार किया गया था। 2021 में मुंबई में एक 34 वर्षीय महिला की बलात्कार और क्रूरतापूर्वक प्रताड़ित किए जाने के बाद मृत्यु हो गई। निर्भयाकांड के बाद



बार फिर महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा अब तो आम हो गई है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया पर ट्रोल, जो हर मुखर महिला या उसकी बेटी को चुप करना, गाली देना या बलात्कार करना चाहते हैं, उन्हें जवाबदेह नहीं बनाया जाता है। उल्लंघनकर्ताओं के पास बढ़ती हुई दंडमुक्ति और न्यायिक साधन भी राजनीतिक आकांक्षों के सामने आत्मसमर्पण करने के साथ, बलात्कार से लड़ना कठिन हो गया है। देश में महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों में वृद्धि, साथ ही देश की कठोर जातिव्यवस्था के सबसे निचले पायदान पर रहने वालों के साथ व्यवहार, ऊपर से नीचे तक दंडमुक्ति की संस्कृति के परिणामस्वरूप एक उत्थानजनक कारक के रूप में कार्य करता है। यह महिलाओं के अधिक

क्षेत्रों में पुरुष अधिपत्य को चुनावी देने के खिलाफ एक प्रतिक्रिया है। अधिकांश पुरुष अभिभूत हैं और नहीं जानते कि अपने आहत अवंकार को कैसे संभालें और व्यापक बेरोजगारी ने समग्र रूप से निराश पैदा की है। भारत की आपाराधिक न्याय प्रणाली में मामलों के वर्षों तक अटके रहने के साथ दोषसिद्धि का निम्न स्तर भी ऐसे क्रूर अपराधों का जन्मदाता है। पुरुष अकसर यौन हिंसा का इस्तेमाल दमनकारी लिंग और जाति पदानुक्रम को मजबूत करने के लिए एक हथियार के रूप में करते हैं। बलात्कार की घटनाओं की संख्या में वृद्धि और मुख्यालफत के लिए अधिक संख्या में महिलाओं के आगे आने के बावजूद देश में सजा की दर कम बनी हुई है। कई मामलों में, सबूतों की कमी को अकसर कम सजा दर या उच्च न्यायालयों द्वारा सजा को पलटने का कारण बताया जाता है। कुछ

साल पहले स्पेनिश पर्थटक के साथ जो हुआ वह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और देश में अराजकता के बारे में बहुत कुछ बताता है। हम जानते हैं कि यौन अपराधों की बहुत कम रिपोर्टिंग होती है और इसे बदलना होगा। अगर यह बलात्कार संस्कृति नहीं है, जिसे समाज के समझदार पुरुषों और महिलाओं, संस्थानों और सरकारी अंगों द्वारा समर्थित और बरकरार रखा जाता है, तो यह क्या है? आप सभी कानून, सभी तेज अदालतें, यहां तक कि मौत की सजा भी ला सकते हैं, लेकिन कुछ भी नहीं बदल सकता जब तक कि एक समाज मानसिकता में बदलाव न हो जो लड़कियों और महिलाओं के बारे में सोचने का एक नया तरीका शुरू करे। हमने बलात्कार संस्कृति को खत्म करने का काम भी शुरू नहीं किया है। हमने पितृसत्ता को जलाने वाली माचिस भी नहीं जलाइ है।

दिसंबर 2012 में सरकार ने आखिरकार हमारी बात जरूर सुनी थी। एक पल के लिए ऐसा लगा था कि हम आगे बढ़ रहे हैं। इसके बजाय आज हम रुक गए हैं या ऐसे भी बदतर, पीछे चले गए हैं। महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर, अब हमारे पास ऐसे कानून हैं जो वस्तुतः अंतर्राष्ट्रीय विवाहों पर प्रतिबंध लगाते हैं और अदालतें उन जोड़ों को सुरक्षा देने से इनकार करती हैं जो अपने जीवन के लिए डरते हैं। स्वतंत्र भारत में आधुनिक समान नागरिक सहिता के लिए पहला नमूना लिव-इन रिलेशनशिप के अनिवार्य पंजीकरण की बात करता है। हर स्तर पर महिलाओं की स्वायत्ता और स्वतंत्र एजेंसी को छीना जा रहा है। ऐसा नहीं है कि घर हमेशा एक सुरक्षित जगह है। डरावनी कहानियों में अनाचार और घरेलू हिंसा शामिल है। भारत में, जहाँ अंतरंग साथी द्वारा हिंसा की दूसरी सबसे बड़ी व्यापकता है, 46 लाख महिलाएं कुछ परिस्थितियों में ऐसे स्वीकार्य मानती हैं - सम्पुर्ण वालों का अनादर करना या बिना अनुमति के घर से बाहर जाना। जब तक हम उन विचारों को नहीं बदल सकते, तब तक हम भारत की प्रतिष्ठा के नुकसान पर विलाप करते रहेंगे।

सराकार

# बाग्लादेश में हिन्दुओं का नरसहार सुनियोजित

Digitized by srujanika@gmail.com

2024 को जिस प्रकार से बांग्लादेश में बांग्लादेशीयों द्वारा चुनी हुई शेरख हसीना की सरकार का तख्तापलट हुआ वो वैश्विक परिदृश्य में एक निंदनीय कृत्य है। बांग्लादेश के पहले प्रधानमंत्री व राष्ट्रपिता की उपाधि से विभूषित बंगबंधु शेरख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा के साथ हुई बदललूपी इन इस्लामिक जेहादियों की जाहिलियत और कटूरता को दर्शाती है। पूर्व प्रधानमंत्री शेरख हसीना द्वारा पूरे घटनाक्रम में अमेरिका और पाकिस्तान के छड़यांत्रों की आशंका के बावजूद भारत के तथाकथित स्वघोषित बुद्धिजीवियों अथवा आन्दोलनजीवियों द्वारा इसे राजनीतिक अपरिपक्तता, छात्र आंदोलन, तानाशाही व निरक्षुश शाशन का परिणाम बताना आम भारतीयों के लिए चौंका देने वाला है।

बांग्लादेशी सरकार के तख्तापलट से पहले और बाद में होने वाली घटनाओं का ब्रिगी की में अध्ययन करने पर पता चलता है कि इनका पैटर्न 16 अगस्त

का बासिका स अध्ययन करन पर पता चलता है कि इनका पटन 16 अगस्त 1946 को मुस्लिम लीग और मुहम्मद अली जिन्ना द्वारा करित % डायरेक्ट एकशन % से मिलता जुलता है जिसका एकमात्र उद्देश्य हिंदुओं का नरसंहार, हिंदू महिलाओं का बलात्कार, अपहरण, हिंदुओं की सम्पत्ति का अपहरण, लूटपाट व जाति विशेष का समूल नाश है। इस बीच भारत के बंटवारे से पहले 1941 में मौलाना अबूल आला मौदूदी द्वारा लाहौर में स्थापित जमात-ए-इस्लामिक जो कि एक इस्लामिक राजनीतिक दल है, जिसका मकसद खुदा की सल्तनत स्थापित करना है और उसकी जिसको एक शाखा जमात-ए-इस्लामिक (जैईएल) बांग्लादेश में भी सक्रिय है कि भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। पहले जैईएल बांग्लादेश अथवा जेल बांग्लादेश ने अवामी लीग की सरकार से करीबियों का फायदा उठाकर अपने जेहादी कट्टरपथियों को ऊंचे पदों पर बैठकर भविष्य में होने वाली हिंसा की तैयारियों को सुनिश्चित किया जिसमें हिंदू आबादी वाले क्षेत्रों में जेहादियों की भर्ती, हिंदुओं के मर्दियों व प्रतिष्ठानों की मार्किंग की गई जिससे दंगों के दैरान उग्र भीड़ की आड़ में हिन्दू नरसंहार व महिलाओं के बलात्कार को बीभत्स तरीके से अंजाम दिया जा सके। जेल बांग्लादेश ने आत्र आदोलन को देशव्यापी बनाकर अवसर मिलते ही शेष हसीना को देश से निष्काषित कर अपने मंसबों को अंजाम दिया

A photograph showing a young man with dark hair and a mustache, wearing a light green patterned shirt, standing in a crowd. He is holding a yellow protest sign above his head with both hands. The sign has red text that reads "HINDUS HAVE RIGHT TO LIVE" and includes a small blue logo with the word "LOVE" below it. The background shows other protesters and a modern building under a cloudy sky.

को अंजाम दिया जिसमें अबतक लगभग दस हजार लोगों के हताहत होने का अनुमान है।

ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अब्दुल बरकत की 2016 में प्रकाशित पुस्तक के अनुसार 1964 से 2013 के मध्य बांग्लादेश में लगभग एक करोड़ हिन्दू आबादी हत्या, अपहरण, धर्म परिवर्तन अथवा विस्थापन के कारण विलुप्त हो गई, ध्यान देने योग्य तथ्य है कि 1950 में बांग्लादेश में हिन्दू आबादी 22 प्रतिशत थी जो आज घटकर लगभग आठ प्रतिशत बच्ची हुई है। वर्तमान में बांग्लादेश के अन्तरिम सरकार के मखिया प्रोफेसर मोहम्मद युनस का ढाकेश्वरी मंदिर जाना

नेहरू - लियाकत समझौते की तरह कोरी कल्पना लगती है जिसका पालन भारत ने तो किया किंतु पाकिस्तान में हिन्दू अल्पसंख्यक आज भी अपने अधिकारों व संरक्षण की बाट जोह रहे हैं। आज जरूरत है कि बसुधैव कटुबन्धक और सर्वे भवन्तु सुखिनः के साथ -साथ भारत की सरकार व हिन्दू समाज % वीर भौत्याकार वसुन्धरा- के मंत्र की अनुपालना में इजराइल की सरकार व यहूदियों से सोखिया लेते हुए बांग्लादेशी हिंदुओं के सुरक्षा हेतु सभी मोर्चों पर मजबूती से अपनी भावाभिव्यक्ति को रखें, क्योंकि कट्टरपंथी जेहादियों के दमन का मात्र यही एक ग्रासा शेष है जिस धर्मिनरपेक्षका के दशिकोण से देखना असम्भव है।

## ਲਾਕਾਮਤ੍ਰ ਕਾ ਰਾਗ ਕਾਵਿਯਾ ਕ ਸਗ

आरक्षण को लेकर सप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये कतिपय निर्णयों के खिलाफ

बुधवार को आयोजित सफर भारत बन्द इस बात का प्रतीक है कि अपने अधिकारों को लेकर दलित, ओबीसी एवं आदिवासी वर्ग पर से जागरूक हो चले हैं। अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों में क्रीमीतेयर को मिल रहे आरक्षण तथा कोटा के भीतर कोटा बाबत शीर्ष न्यायालय के फैसलों से नाराज दलित संगठनों ने इस राष्ट्रवापी बन्द का ऐलान किया था। कोर्ट ने कहा था कि सरकार चाहे तो कोटे के भीतर कोटा तय कर सकती है। यह सविधान के अनुच्छेद 341 के खिलाफ नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि राज्य सरकारें इस बाबत मनमज्जी फैसला नहीं कर सकतीं। कोर्ट ने दो शर्तें भी लगाई हैं। उसने साफ किया है कि एससी के भीतर किसी एक ही जाति को शत-प्रतिशत आरक्षण नहीं दिया जा सकता और एससी में शामिल किसी जाति का कोटा तय करने से पहले उसकी हिस्सेदारी का पुख्ता डेटा होना चाहिये। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय उन याचिकाओं पर सुनावाई करते हुए फैसला दिया था जिनमें कहा गया है कि आरक्षण का फयदा कुछ ही जातियों को मिल रहा है और अनेक जातियां इससे वर्चित हैं। दलित संगठनों के इस बंद को बहुजन समाज पार्टी, भीम आर्मी, भारत आदिवासी पार्टी आदि ने भी समर्थन दिया था। अनेक राज्यों में यह बेहद सफल रहा है। इन संगठनों के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बंद में शामिल रहे। उनकी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट इस फैसले को वापस ले या पुनर्निवाच करे। भारत बंद के अनेक राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसे हाल के दिनों की एक महत्वपूर्ण परिवर्टना मानना चाहिये क्योंकि पिछले लगभग एक दशक से जो दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्ग सङ्गठनों को लड़ाई छोड़ चुका था और उनके नेताओं ने अपने ही वर्गों के हितों को दरकिनार कर दिया था, वे भी साथ खड़े और उनके पक्ष में लड़ाई करते हुए दिखे। बसपा प्रमुख मायावती, जिन पर अक्सर भारतीय जनता पार्टी की श्बोश टीम होने का आरोप लगता रहा है, किसी आंदोलन का सीधा समर्थन करती दिखी। हालांकि यह अंदोलन सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ कहा जा रहा है परन्तु उसका एक सिरा सत्ता में भी जाकर खुलता है क्योंकि केन्द्र ने इसे समय रहते स्पष्ट नहीं किया कि इस फैसले को लेकर वह क्या करने जा रही है और किस तरह से वह आरक्षण पर अंच नहीं आने देगी। अभी उसे संघ लोक सेवा आयोग के जरिये केन्द्रीय सचिवालय में उप सचिव स्तर के अधिकारियों की सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का कदम वापस लेना पड़ा था। इस भर्ती में कोई पद आरक्षित नहीं थे। जब इसका सीधा विरोध हुआ तब सरकार को इस भर्ती को रद करना पड़ा। ऐसे निर्णयों के कारण अब जनता के कान खड़े हो गये हैं, खासकर उनके जिन्हें आरक्षण का लाभ मिलता रहा है। सरकार करीब 45 पद लेटरल एंट्री के जरिये भरने जा रही थी। यह बात सामने आई कि अगर वह भर्ती प्रतिस्पर्धा एवं परीक्षा के जरिये होती तो उसके जरिये आधे से ज्यादा पद ओबीसी, दलितों, आदिवासियों एवं अन्य आरक्षित वर्गों को मिलते। इसके खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मायावती, अखिलेश यादव आदि ने आवाज उठाई जिसका परिणाम यह हुआ कि खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को केन्द्रीय कार्मिक मंत्रालय को आदेश देकर यह विज्ञापन रद कराना पड़ा। हालांकि केन्द्रीय मंत्री अर्जुन सिंह मेघवाल का कहना है कि सरकार कहीं से भी आरक्षण को खत्म नहीं करने जा रही, लेकिन विषय क्षेत्रों को इस बात को लेकर ध्यानित कर रहा है। सवाल यह है कि सरकार इस बाबत अपना सीधा व स्पष्ट बयान क्यों अब तक जारी नहीं कर पाई और कोर्ट के सामने भी अपना पक्ष नहीं रख सकी कि आरक्षण की व्यवस्था बनी रहेगी तथा सम्बन्धित वर्गों को कोई नुकसान नहीं होने जा रहा है। इसके पांचे खुद सरकार दोषी हैं। जनता की यह धारणा बन गई है कि केन्द्र सरकार आरक्षण विरोधी है। यह धारणा विकसित करने में स्वयं भारतीय जनता पार्टी का हाथ है। लोकसभा चुनाव के पहले जब भाजपा ने 370 और 400 पार का नारा लगाना शुरू किया था तो उसका मकसद संविधान को बदलना बतलाया गया था। यह बात भाजपा के कई उम्मीदवार सार्वजनिक तौर पर कहते रहे। अनंत होड़े, अरुण गोविल, लक्ष्मि सिंह, ज्योति मिर्धा आदि चुनावी रैलियों में ऐलान करते रहे कि भाजपा को इन्हाँ बड़ा बहुमत इसलिये चाहिये क्योंकि उसे संविधान बदलना है। कहना न होगा कि भाजपारी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग सदा से इसी विचार के रहे हैं। भारत बंद को लेकर मायावती ने आरक्षण पर मंडराते खतरे के लिये भाजपा के साथ ही कांग्रेस को भी जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि इसके लिये कांग्रेस कैसे जिम्मेदार है, यह तो उहोंने स्पष्ट नहीं किया पर यह इसलिये गलत है क्योंकि दलितों, ओबीसी एवं आदिवासियों के जिस आरक्षण के अधिकार को हड्डपने के लिये भाजपा लालायित रही, उसका सबसे पहले मुकाबला तो कांग्रेस ने किया था, न कि मायावती ने। उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनावों में और पांच माह पहले हुए लोकसभा चुनावों में वसपा की जो दुर्बलता हुई उसका मुख्य कारण यही था कि उसका बोट बैंक कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी की ओर खिसक गया। भाजपा की आरक्षण विरोधी नीति का मायावती ने कभी भी प्रखर विरोध नहीं किया। जो भी हो, भारत बंद बहुजन चेतना की जागृति ही है।











## संक्षिप्त

## खबरें

पत्नी से झगड़े के बाद कारपेट फटे पर झूला

लखनऊ। गुडबा के कल्याणपुर में पत्नी से कहासुनी के बाद कारपेट सत्य प्रकाश शर्मा (26) ने फासी लागा ली, जबकि सआदतगंज में नीरज (30) ने फासी लागा जाने दें दी कल्याणपुर निवासी जान प्रकाश के मुताबिक भाई कारपेट सत्य प्रकाश नीरज सुधार रात नशे में घर आया तो पत्नी रानी से उसका झाड़ा हो गया। इसके बाद उसने कमरे में जाकर दरवाजा रात से बढ़ कर लिया। कुछ देर बाद रानी ने खाने के लिए आवाज दी पर जवाब नहीं मिला। काफी प्रयास के बावजूद दरवाजा नई खुलने पर पत्नी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिसकर्मी दरवाजे तोड़कर भीतर गए तो सत्य प्रकाश पंखे के कुड़े से दुपटे के फेंटे से लटके थे। आनन्द-फानन में उत्तरकर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत करार दिया। मूलभूत से गोड़ के करनेलांज निवासी नीरज मौज़ूदमान के परिवार के साथ किये गए रहकर कपड़े की डिक्कन पर कारते थे। पत्नी महानी के मुताबिक बृहत्वार रात नीरज नशे में घर लैटे। खाना खाने के बाद वह सो गए। नव्हर उत्तीर्णे देखा कि पति नीरज कमरे में नहीं थे। उसने कमरे में गई तो नीरज का शब पछे के कुड़े से दुपटे के फेंटे के सहारे लटका था। इस्पेक्टर सआदतगंज के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई होगी।

## शादी का झांसा देकर दुष्कर्ण का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर द्वारा चलाए जा रहे अभियान में अपराधियों की घर पकड़ में राजधानी लखनऊ (दक्षिणी) क्षेत्र में थाना बिजनौर पुलिस को बादली पीड़िता ने थाना स्थानीय पर तरीरी दी गई जिसमें आरोपी पुलिस को बादली रिकॉर्ड, निवासी दरवाजे रेप के माला मोहम्मदी नगर थाना आशियानी लखनऊ, शादी का झांसा देकर डक कम कराया। इस घटना के संबंध में पीड़िता की उक्त तरहीर के आधार पर थाना बिजनौर लखनऊ में मुकदमा पंजीकृत कराया, आरोपी नामजद राहल कैरोजिया उक्त रिंक, फार चल रहा था, मुखियर की सूचना पर आरोपी की नटपुर पुलिया के पास से पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया, इसी क्रम में (दक्षिणी) ढीसीपी, द्वारा दिसा-निर्देश पर गठित की पुलिस टीम लगातार अपराधियों को घर पकड़ कर रही है। जिसमें आज थाना बिजनौर प्राप्ती ने निरीक्षक अरविंद कुमार राणा के नेतृत्व में आरोपी को गिरफ्तार कर नियमनुसार विधिक कार्रवाई की गई है।

## राजधानी में डॉक्टरों की हड्डताल वापस, आज से काम एवं लौटेंगे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में केजीएम्यू और लोहिया संस्थान के रेजिडेंट डॉक्टरों ने हड्डताल वापस ले लिया है। 10 दिन से चल रहा धरना गुरुवार की शाम को खत्म कर दिया। बांध पर काली पट्टी बांधकर काम करेंगे। कोलकाता की घटना को लेकर ये डॉक्टर प्रश्नसन हक्कत में आ गया है। पुलिस ने सूचनाख्यवस्था कड़ी कर दी है। साथ ही जलसाजों को पकड़ने के लिए भी पुलिस ने जाल बिछा दिया है। टेलीग्राम समेत विभिन्न चैनलों पर 23 अगस्त को परियोगी शुरू होने से कुछ देर पहले ही पर्याप्त उपलब्ध कराने का दावा किया गया तो पुलिस ने भी बड़ा ऐलान कर दिया। पुलिस ने बताया कि दलालों के बारे में सही सूचना देने वाले को 25 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

## दात्र ने खुद को कमरे में बंद किया, 2 दाउं फायरिंग की

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गुडबा इलाके में माता-पिता से नारज छात्र ने खुद को कमरे में बंद करके गोली मारने की धमकी दे रहा है। मौके से कई तीन थाने की पुलिस मौजूद है। पुलिस लकड़े को लगातार समझाने का प्रयास कर रही है। पिछले तीन घंटे से खुद को कमरे में बंद कर रहा है। बातों के बाद गुडबा रोडे शुरू रहा था। आवाज नाम के लिए लगातार समझाने के अपराधियों को असर देखने को मिला था। जबकि, जिला अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों ने अपने उच्च अधिकारी को लिखित ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद गुरुवार से आधे से अधिक डॉक्टर दूसरी पर वापस आ गए थे। उत्तर सुमीन कोटि ने भी कहा था कि अगर कोई डॉक्टर अस्पताल में नहीं आ रहा है तो उसे गैर हाजिर माना जाएगा। हड्डताल से सबसे ज्यादा लोहिया संस्थान में प्रर्वान का असर देखने को मिला था। जबकि, जिला अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों ने अपने उच्च अधिकारी को लिखित ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद गुरुवार से आधे से अधिक डॉक्टर दूसरी पर वापस आ गए थे। आज यानि गुरुवार की थी केजीएम्यू पीजीआई और लोहिया संस्थान में प्रर्वान का असर देखने को मिला था। जबकि, जिला अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों ने अपने उच्च अधिकारी को लिखित ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद गुरुवार से आधे से अधिक डॉक्टर दूसरी पर वापस आ गए थे। आज यानि गुरुवार की थी केजीएम्यू पीजीआई और लोहिया संस्थान में प्रर्वान का असर देखने को मिला था।

## छात्र ने खुद को कमरे में बंद किया, 2 दाउं फायरिंग की





## संक्षिप्त खबरें

सिर पर बोतल मारकर वर्कशॉप कर्मचारी को किया लहूलुनान

साहिबाबाद। मोहननगर स्थित यारेलाल कॉलोनी के सामने दोस्त को पिटाई से बचाने गए वर्कशॉप कर्मचारी के सिर पर युक्तोंने ने बोतल फोड़कर उसे लहूलुनान कर दिया। हमले में घायल होने के बाद आरोपियों ने जेब से नकदी समेत कागजात व पर्स भी निकाल लिए। साहिबाबाद गांव में रहने वाले अशु ने बताया कि वह गांजे नगर के एक वर्कशॉप में काम करते हैं। शिवार की शाम करीब 7 बजे वह पैदल ही मर्दि जा रहे थे। मोहननगर में यारेलाल कॉलोनी के सामने स्पृष्टि, नगर, रोशन, गोलू और सूरज के साथ अत्यंत लोग उनके साथी सोनू को पीट रहे थे। उन्होंने बीच चाव का प्रयास किया तो आरोपियों ने उनके सिर पर बोतल फोड़ दी। पुलिस ने बताया कि नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।



## संपत्ति नेला लगा गाहकों का पलैटों का कथाया जाएगा धमण

साहिबाबाद। आवास विकास परियोग ने अपनी योजनाओं की खाली पड़ी संपत्तियों को बचेने के लिए तीसरे चरण का पंजीकरण शुरू कर दिया है। अब विधायक जल्द ही संपत्ति मेला लगाने को अपनी योजनाओं में बने हुए पलैटों का भ्रमण कर रही है। इसके लिए अधिकारी ने ओर से विज्ञापन सेल परियोग के बारे में बताया कि अवसर आवास विकास परियोग ने योजना देखी दूर है। अपने योजना के बाद कहकर पंजीकरण करने से कहराते हैं। ऐसे में विधायक के विज्ञापन सेल की टीम लोगों को मंडेला, विद्वार्ध विहार एवं वृक्षार्थ योजना के खाली संपत्तियों का भ्रमण कर रही है। प्रयोके शनिवार एवं रविवार को कार्यालय पर संपत्ति मेला लगाया जाएगा। यहां आपने वाले लोगों विधायक की टीम अपनी गाड़ी में अपनी योजना पर लेकर जाएंगी।

## फौजी ने नशे ने पुत्रों को मारी गोली, नौके पर ही ढम तोड़ा

आगरा। जनयद आगरा के थाना सदर के राजपुर चुंगी स्थित रामविहार कॉलोनी में पिटा ने अपने ही 14 वर्षीय युवती की गोली मारकर हत्या कर दी। डॉक्टरों ने विधायक को मृत घोषित कर दिया। घटना की बाद से आरोपी पिटा फरार है। आरोपी पिटा हमेशा नशे की हालत में टुक्रे रहता था। नशे की हालत में ही आरोपी पिटा ने अपने बेटे को गोली मार दी। गोली मारने के बाद आरोपी पिटा भौके से फरार हो गया। परिजनों द्वारा किशोर को अस्पताल ले जाया गया। जहाँ डॉक्टरों में उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर थाना सदर पुलिस और एसीपी सुकराया शर्म पहुंच गई और मामले की तलात जाँच शुरू कर दी है। अपने आरोपी को गिरफ्त में ले लिया जाएगा। मौके पर थाना पुलिस मौजूद है। हालांकांड में 14 वर्षीय मृतक किशोर की घटना से क्षेत्रीय लोगों की आंखें नम हैं।

## फेलिक्स हॉस्पिटल द्वारा आयोजित नेगा हेल्प चेकअप कैम्प का नोएडा सीईओ ने किया उद्घाटन



नोएडा फेलिक्स हॉस्पिटल और नोएडा एंप्साइज के संयुक्त प्रयास से गुरुवार को इंदिरा गांधी कला केंद्र, सेक्टर-6 नोएडा में भी हेल्प कैम्प और डॉक्टर ट्रॉक (कैम्प जारीकरण) का आयोजन किया गया। शिवार का उद्घाटन नोएडा प्राधिकरण के सी.ई.ओ. डॉ. लोकेश एम, आई.ए.एस. ने किया। शिवर में नोएडा प्राधिकरण के लगभग 380 कर्मचारियों की जाँच की गई। शिवर में डॉ. डी. के. गुरु (चेयरमैन, फेलिक्स हॉस्पिटल) और विधिवाल डॉक्टरों द्वारा मुक्त परामर्श सेवाएं प्रदान की गई हैं। जिसमें विज्ञान, फिजियोथेरेप्ट, अंथोलॉजीस्ट और मैट्रो-एरोटेरेप्टर्स शामिल हैं। इसके अलावा, शिवर में मृप्त बी.पी., शुगर, इ.सी.जी., पी.एफ. टी., वेट-हाईट और बी.एम.आई. जाँच के अलावा विजन टेस्टिंग (मोटियाबिंद एवं काला मोटियां बिंद सहित), बोन मिनरल डॉक्सीटी (बोयस्ट्रीटी) टेस्ट की सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।

नोएडा प्राधिकरण के सी.ई.ओ. डॉ. लोकेश एम ने कैप की सराहना की और कहा है कि भविष्य में ऐसे और भी शिविरों का आयोजन किया जाया। शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने इस शिवर की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। शिवर की भविष्यत में दोस्तों और जिन व्यक्तियों के बीच विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों से बचाने के लिए उपचार करना चाहिए। इसके अलावा, शिवर

# महिला जिला अस्पताल की समस्याओं पर आधिकारी कब ध्यान देंगी सहकार?

## मरीजों से वसूली से लेकर दलाली तक के आरोपों से जूझ रहा महिला अस्पताल

लोकमित्र ब्लॉग

रायबरेली। प्रदेश की योगी सरकार स्थानीय सेवाओं को और बेहतर बनाने तथा हर गरीब व वर्चिट समाज को मुफ्त से स्थानीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भर्ते ही प्रतिबद्ध नजर आ रही है, परन्तु वर्षों से लगी ठपी कमाई का चक्का भूला ना पाने वाले कछेक स्थानीय कर्मियों की करतूतों के चलते योगी सरकार की मंशा तारतार होती नजर आ रही है। इन्हाँ नहीं बल्कि शासन-प्रशासन में बैठे मंत्री व अधिकारी गण ध्रुवचारियों पर नकल करने में पूरी तरफ नाकाम नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में बताते चले कि यायबरेली जिले के महिला अस्पताल में भी योगी सरकार की मंशा को जम कर पतलाता लगाया जा रहा है। शासन द्वारा प्रदान की जा रही मुफ्त सेवाओं की खुले आम सेवादारी की जा रही है। प्रसव से लेकर ऑपरेशन तक का रेट क्रिस्य होना बताया जा रहा है। इन्हाँ नहीं बल्कि अवैध वसूली में नाकाम होने पर चिढ़ कर मरीजों के तीमरदारों के साथ मारपीट तक किये जाने के आरोप तातों रहे हैं। वर्षों से लिवाइजर की विवादित रही महिला चिकित्सक जिनको वर्तमान में सीएमएस का



चार्ज दिया गया है वह अपने ही अधिनस्थों के पक्ष में खड़ी नजर आती है।

### आधिकारी कर्तमान सीएमएस पर क्यों लगते रहते हैं गंभीर आरोप?

बताया जाता है कि वर्तमान सीएमएस महिला जिला अस्पताल में मंडराने वाले बल्कि को सीएमएस का पद मिलते ही सुपरवाइजर का पद मिलना मात्र संयोग नहीं हो सकता है। लोगों के बीच चर्चा है कि वर्तमान सीएमएस का कार्यकाल शुरू होते ही अस्पताल का वर्तमान आरोपी बैठवारा अपने इंद्र-गिर्द दलालों की दोली रखने का आरोप

इन पर हमेशा से लगता रहा है। कहने वाले तो यहाँ तक कहते हैं कि वर्तमान समय में आउट सेर्विस के जरिये जिस ब्लॉक को सुपरवाइजर नियुक्त किया गया है, वह व्यापारी वर्षों से महिला जिला अस्पताल में मंडराने रहता था। सबसे बड़ी बात वर्षों से महिला जिला अस्पताल में मंडराने वाले बल्कि को सीएमएस का पद मिलते ही सुपरवाइजर का पद मिलना मात्र संयोग नहीं हो सकता है। लोगों के बीच चर्चा है कि वर्तमान सीएमएस का कार्यकाल शुरू होते ही अस्पताल का वर्तमान आरोपी बैठवारा अपने इंद्र-गिर्द दलालों की दोली रखने का आरोप

&lt;/div



